निम्न पत्रक बॉयो रे में उपलब्ध है:

1. बीजामृत (बीज उपचार)
2. सी. पी. पी. + गौमुत्र (बीज उपचार)
3. निम्बोली का अर्क
4. जि. ओ. सी.
5. टॉप टेन
6. नीम तेल और हिंग
7. गौमुत्र
8. छाछ
9. कपास की प्राथमिक अवस्था में रक्षा
10. जीवामृत
11. स्प्रे केसै करें

The leaflets are available in English and Hindi

उपरोक्त पत्रक हिन्दी और इंग्लिश मे उपलब्ध है।

इस पत्रक मे दि गई जानकारी बॉयो रे के अधिकारीयो के ज्ञान व बॉयो रे किसानों के अनुभव के आधार पर दि गई है। इसमें कुछ विधीयॉ जो दुसरे राज्यों के जैविक किसानों द्वारा अपनाई गई है उन्हे सम्मिलित किया है तथा कुछ विधीयों को पीटर प्राक्टर द्वारा प्रस्तावित बॉयोडायनामिक पद्वति से लिया गया है (जैसे सी.पी.पी.)।

bioRe® Research Station
5th km Milestone, Mandleshwar road
Kasrawad, Distr. Khargone
MP-451228 India
Tel.: +919926838549
Email: biore.lokendra@gmail.com

तारीख: फ़रवरी 2014

लेखक: लोकेन्द्र सिंह मण्डलोई
क्लाउडीया उट्स्
जुलियाना ज्वाईफैल्
राजीव वर्मा

सलाह पत्रक

जैविक कीट नियंत्रण के लिए स्वयं निर्मित दवाईयों को बनाना और उनका उपयोग करना।

छाछ

उपयोग: सभी प्रकार की इल्लीयों को नियंत्रीत करने के लिए।

सामग्री

छाछ
20 लिटर

साधन

* ड्म (20 लिटर)

असर प्रणाली

छांछ मे ऐसिड होने से अतः इसको 21 दिन तक सडाने से इसके अंदर कुछ गैसें बनती है जो की किटों को भगाने का कार्य करती हैं।

मात्राः	किण्वित (सडी) छाछ को 1 लिटर प्रती पम्प (15 लिटर पानी मे) उपयोग करें।
रखने की अवधिः	किण्वित (सडी) छाछ को 10 दिन में उपयोग करलें।
सीमाएः	अब कोई सिमाऐं नहीं।
सकिय तत्वः	लक्टीक एसीड

बनाने कि विधि

चरण 1: छाछ को ड्म मे डालकर ड्म का ढक्कन बंद कर दें।

चरण 2: छाछ के ड्म को गैंहू के भुसे के ढेर मे दबाकर रखदें।

चरण 3: 21 दिन के बाद किण्वित ''(सडी)'' छाछ स्प्रे के लिये तैयार है।